**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## कृषि विज्ञान केन्द्र एक दृष्टि में लगे स्टाल पर कृषि विज्ञान केन्द्र से संबंधित समस्त जानकारी

विश्वविद्यालय में चल रहे अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी में पंतनगर विश्वविद्यालय एवं अन्य सरकारी क्षेत्रों के स्टालों पर किसानों के लिए विभिन्न उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जो सभी प्रकार के किसानों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक हैं। इस किसान मेले में विश्वविद्यालय के उत्तराखण्ड में फैले सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए प्रसार शिक्षा का एक विशेष स्टाल 'कृषि विज्ञान केन्द्र एक दृष्टि में' लगाया गया। इस स्टाल पर कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर द्वारा महिलाओं को सशक्त करने की विधाओं एवं उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों का प्रदर्शन लगाया गया। पिथौरागढ़ जिले के गैना अंचोली में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा काला भट्ट, लाल गहत, सफेद राजमा, भांग के प्रदर्शन लगाये गये हैं। गन्ने की किस्में, सोयाबीन, उर्द तथा धान की तकनीक कृषि विज्ञान केन्द्र धनौरी (हरिद्वार) द्वारा बतायी जा रही है। ढकरानी, देहरादून के कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर प्राकृतिक हर्बल रंग, की प्रदर्शनी लगी हुई है। ग्वालदम, चमोली के कृषि विज्ञान केन्द्र पर रामदाना, राजमा, राजमा लाल, काला भट्ट और स्ट्राबेरी के पौधों की प्रदर्शनी किसानों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इसके साथ ही साथ चम्पावत एवं ज्योलिकोट, नैनीताल के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा भी किसानों के हित में जानकारियां दी जा रही है। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के स्टालों पर भी वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों द्वारा किसानों को खेती के साथ किये जाने वाले सह–व्यवसाय, नयी तकनीक, नये शोध एवं कृषि को सरल करने वाले उपकरण तथा आय दोगुनी करने हेतु नयी–नयी तकनीकें बतायी जा रही हैं। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा, के स्टाल पर पर्वतीय क्षेत्रों में खेती को सुलभ बनाने हेतु उपकरण और पर्वतीय फसलों, मक्का, मडुवा, राजमा, आदि, के बीजों का प्रदर्शन लगाये गये हैं। पंतनगर विश्वविद्यालय एवं जिले के कृषि विभाग के सौजन्य से लगाये गये स्टालों पर पशुपालन, उद्यान एवं खाद्यान्न की जानकारियां दी जा रही हैं। अन्य कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा भी अपने–अपने क्षेत्र की फसलों की उत्पादन तकनीक किसानों को बतायी जा रही हैं।

वस्तुतः ये एवं ऐसे अन्य सरकारी संस्थाओं के स्टाल अपनी–अपनी जानकारियों से किसानों को उन्नत तकनीकें एवं विधियां देने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, जिससे वे कम व्यय में अधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त कर सकें।